मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 13 सितम्बर 2024

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	13/09/24	14/09/24	15/09/24	16/09/24	17/09/24
वर्षा (मि.मी.)	2	1	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	33	31	32	33	34
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	24	24	23	24	25
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	5	4	1	3	1
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	48	47	43	36	34
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	71	70	69	60	58
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	20	19	13	16	22
हवा की दिशा	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–दक्षिण–पष्चिम	पष्चिम–दक्षिण–पष्चिम	दक्षिण–पष्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	सलाह
सामान्य सलाह	अगेती बाजरा और मूंग की फसल अभी पकाव की ओर अग्रसर है अतः उचित कायिक पकाव पर कटाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित करे। खेत में कटाई की हुई फसल को ढेर बनाकर प्लास्टिक से ढक कर रखें ।
लघु संदेश	आगामी दिनों में बादल छाए रहने के साथ– साथ कहीं कहीं पर हल्की वर्षा की सम्भावना है।
मोठ	मोठ की फसलों की नियमित रूप से निगरानी करें अगर सफेद मक्खियों या रस चूसने वाले कीटो का प्रकोप अधिक होने पर इमिडाक्लोप्रिड 17ण्8 प्रतिशत एससी का 1ण्0 मिलीलीटर प्रति 3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
मूंग	मूंग की फसल में फली छेदक कीट का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु क्यूनालफाॅस 25 ई.सी.@ 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
ग्वार	ग्वार की फसल में जीवाणु झुलसा रोग के नियंत्रण के लिए स्टेप्टोसाइक्लीन 0.02 प्रतिशत (यानी 10 लीटर पानी में 2 ग्राम की मात्रा) का छिडकाव करें।
अरण्डी	अरण्डी की फसल को सेमीलूपर के प्रकोप की सम्भावना है। नियंत्रण के लिए एक लीटर क्यूनालफाॅस 25 ई.सी का प्रति हैक्टेयर में छिडकाव करें।
कपास	खेत में नियमित निगरानी रखें यदि कपास के खेत में बालवर्म कीट का प्रकोप

	दिखाई दे तो कार्बेरिल 50 प्रतिशत घुलनशील चूर्ण ढाई किलो प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करे इसके साथ 8 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन भी मिलाएं।
तिल	तिल की फसल में फाईलोडी रोग के नियंत्रण के लिए रोगी पौधों को उखाड़कर नष्ट कर देवे तथा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.सी. का 2 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
पशु	पशु बाडे में मल-मूत्र व कचरा आदि के कारण पशु में संक्रामक रोगों व परजीवियों का प्रकोप बढ़ने का खतरा रहता है। अतः बाड़े की साफ-सफाई पर ध्यान दें।

(नौडल ऑफीसर)